PON VIDYASHRAM GROUP OF SENIOR SECONDARY SCHOOLS

Class – VIII Hindi Notes November

PORTION :

पाठ 10: केरल का राजकुमार

कविता 11: कबीर के दोहे

गिनती : 51 **to 75**

पाठ : केरल का राजकुमार

I **शब्दार्थ** :

1. परिपूर्ण – संतुष्ट - full
2. भरसक - यथाशक्ति – as far as possible
3. राजकोष - सरकारी खज़ाना – treasury
4. कर - मालगुज़ारी - tax
5. श्रमदान - परिश्रम का दान करना – Voluntary contribution of labour for a public cause
6. अग्रिम - आगामी - advance
7. विपत्ति - संकट – trouble
8. प्रार्थना – विनती – prayer
9. दर्शन - देखना-दिखाना – sights
10. प्रतिष्ठा - मान-मर्यादा - prestige

II **सही विकल्प चुनिए :**

1)राजवर्मन का राज्य किस्से परिपूर्ण था?

उत्तर: धन-धान्य

2) राजवर्मन के राज्य में क्या मच गई ?

उत्तर: त्राहि- त्राहि

3) रविवर्मन किसमें उतरता चला गया ?

उत्तर : समुद्र में

III **मौखिक प्रश्नोत्तर :**

1) राजवर्मन के राज्य की खुशहाली का क्या कारण था ?

उत्तर: राजवर्मन नेक राजा था और राज्य के लोग परिश्रमी एवं ईमानदार थे।

2) रविवर्मन ने राजलक्ष्मी को मणियों की माला रखने के लिए क्यों दी ?

उत्तर: रविवर्मन ने राजलक्ष्मी को अपने राज्य में ही रोक रखने के उद्देश्य से मणियों की माला राजलक्ष्मी को दी ।

लिखित प्रश्नोत्तर:

1) राजा क्यों दुखी था ?

उत्तर: राजा यह सोचकर दुखी था कि उसकी मृत्यु के बाद उसके हरे-भरे , धन-धान्य से पूर्ण राज्य का क्या होगा।

2)रविवर्मनको जब अपनि गलतियों का एहसास हुआ तब उसने क्या किया ?

उत्तर: रविवर्मन ने पहले अपने पुराने मंत्रियों को बुलावा भेजा फिर राजलक्ष्मी की प्रार्थना के लिए उनके मंदिर जाने का निश्चय किया।

3)अरब के व्यापारियों ने सभी को क्या विचित्र बात बताई ?

उत्तर: व्यापारियों ने बताई कि वे अपनी इच्छा से नहीं लौटे और रात को एक भयंकर तूफ़ान उनके जहाज़ों को वापस नगर की सीमा पर ले आया है ।

IV **सही शब्दों से वाक्यपूरे कीजिए :**

क) **<u>अरब</u>** के व्यापारी राजा रविवर्मन के राज्य में व्यापार करने आने लगे ।

ख)राजा का **<u>रविवर्मन</u>** नाम का एक बेटा था ।

ग) **<u>स्वार्थी मित्र</u>** रविवर्मन को उल्टी – सीधी सलाह देते थे ।

घ) रविवर्मन समझ गया कि यह **<u>राजलक्ष्मी</u>** ही है ।

V. **सही या गलत :**

क) राजवर्मन एक क्रूर राजा था । - गलत

ख) रविवर्मन को राजकाज से कोई मतलब न था । - सही

ग) देवी का मंदिर राजमहल के पास था । - गलत

घ) सभी ने रविवर्मन की मणियों की माला देवी के गले में देखी । - सही

VI.विशेषण शब्द अलग कीजिए :

राजा राजवर्मन - दयालु , चतुर , प्रजापालक, बुद्धिमान

राजा रविवर्मन - स्वार्थी , अयोग , अविवेकी , बुद्धिहीन

VII. हिन्दी में लिखिए:

क) राजवर्मन एक दयालु और बुद्धिमान राजा थे ।

ख) रविवर्मन राजा राजवर्मन का पुत्र था ।

ग) मंदिर समुद्र के किनारे स्थित था ।

घ) नहीं, मैंने निश्चय कर लिया है ।

VIII .**लिंग बदलकर लिखिए :**

क) रानी ख) देवता ग) विदुषी

घ) राजकुमारी ङ) पुरुष च) अध्यापक

कविता 11: कबीर के दोहे

DOHE 1 to 4 lines QFM

I **शब्दार्थ**:

1 साँच – सच्चाई truth

2 हिरदे - हृदय heart

3 जाके - जिसके whose

4 ताके - उसके her/him

5 कोय - कोई any

6 आपना - अपना our

7 मनां – मनुष्य human

8 होय - होना happen

9 दोऊ - दोनों both

10 काके – किसके – whose

11 लागू पाँय – पैर छूना- touching foot

12 आपा – अहंकार - ego

13 औरन – दूसरे – others

14 आपहुँ – स्वयं – self

15 परलय – प्रलय – holocaust

16 बहुरि – फिर – again

17 साई – ईश्वर – god

18 जामे – जिसमें – in which

19 कबहुँ – कभी भी – anytime

20 पीर – कष्ट / पीड़ा – affliction

21 घनेरी – बहुत - many

II **सही विकल्प चुनकर लिखिए:**

1)सबसे बड़ा तप किसे माना गया है ?

उत्तर: सच्चाई को

2) साई इतना दीजिए… दोहे में कौन-सी सीख दी गई है ?

उत्तर: संतोष की

III भाव स्पष्ट कीजिए:

क)धीरे-धीरे रे मनां , धीरे सब कुछ होय ।

माली सींचे सौ घड़ा , ऋतु आएफल होय ।।

उत्तर: कबीरदास कहते है कि हमें धैर्य से रहना चाहिए। सभी काम धीरे-धीरे अपने समय से ही होते है ।

माली पेड़ में चाहे सौ घड़े पानी क्यों न डाल ले , सही मौसम के आने पर ही पेड़ में फल लगता है ।

ख) साँच बराबर तप नहीं, झूठ बराबर पाप ।

जाके हिरदे साँच है , ताके हिरदे आप ।।

उत्तर: इस दोहे में सत्य का महत्व बताया गया है । सत्य के समान कोई तपस्या नहीं है और झूठ के समान दूसरा कोई पाप नहीं है । जिसके मन में सत्य है , उसके हृदय में ईश्वर का निवास है ।

IV **प्रश्नोत्तर: (मौखिक)**

1) कौन सा दोहा समय का महत्व बताता है ?

उत्तर**:** कल करे सो आज कर , आज करे सो अब ।

पल में परलय होंयगी , बहुरि करेगा कब ।।

2) वाणी कैसी होनी चाहिए ?

उत्तर: वाणी शीतल और मीठी होनी चाहिए ।

3) किसी की निंदा क्यों नहीं करनी चाहिए ?

उत्तर: छोटी से छोटी चीज़ भी बड़े से बड़े काम कर सकती है या घाव दे सकती है ।

4) ईश्वर और गुरु में से कौन सर्वप्रथम प्रणाम के अधिकारी हैं और क्यों ?

उत्तर: सर्वप्रथम प्रणाम के अधिकारी गुरु है क्योंकि ईश्वर को पाने का रास्ता गुरु ही दिखाते है ।

5) आपको कौन – सा दोहा सबसे अच्छा लगा और क्यों ?

उत्तर: छात्र स्वयं लिखेंगे ।

6) सबसे बड़ा पाप क्या है ?

उत्तर: सबसे बड़ा पाप झूठ है ।

7) कवि को सबसे ज़्यादा बुराई कहाँ मिली ?

उत्तर: कवि को सबसे ज़्यादा बुराई अपने अंदर मिली ।

लिखित प्रश्नोत्तर

1) तिनके के माध्यम से कबीरदास जी क्या कहना चाहते हैं ?

उत्तर: *किसी भी वस्तु या व्यक्ति को छोटा नही समझना चाहिए ।

*सही समय आने पर वह वस्तु या व्यक्ति भी बड़े काम कर सकता है ।

2) कवि स्वयं को बुरा बताकर क्या सीख देना चाहते है ?

उत्तर: *सज्जन व्यक्तियों को किसी अन्य में बुराई नहीं दिखती ।

*उसे अपने में ही बुराइयाँ नज़र आती है , जिससे वह अपनी बुराइयों को दूर कर पाता है ।

3)कवि ईश्वर से कितना देने के लिए प्रार्थना कर रहे है ? इससे उनके किस गुण का पता चल रहा है ?

उत्तर : कवि ईश्वर से इस बात की प्रार्थना कर रहे हैं कि उसे उतनी ही धन – संपत्ति दें जिससे कि उसके परिवार और अतिथियों का भरण-पोषण हो सके । इससे कवि के संतोषी स्वभाव का पता चलता है ।

4)किन पंक्तियों द्ल।वारा कवि धैर्य धारण करने के लिए कह रहे हैं ?

उत्तर: धीरे-धीरे रे मनां , धीरे सब कुछ होय ।

माली सींचे सौ घड़ा , ऋतु आए फल होय ।।

5) माली को मेहनत का फल कब मिलता है ?

उत्तर: माली को मेहनत का फल सही समय आने पर ही मिलता है ।

6) हमें आज का काम कब करना चाहिए ?

उत्तर: हमें आज का काम अब कर लेना चाहिए क्योंकि समय का कोई ठिकाना नहीं कि कब क्या हो जाए।

V **<u>पर्यायवाची शब्द लिखिए</u>**

1) साँच – सच
2) काके – किसके
3) हिरदे – हृदय
4) घनेरी – घनी

5) मनां – मन

6) परलय – प्रलय

VI **<u>समानार्थक शब्द लिखिए</u>**

1) शिक्षक – गुरु
2) ठंड़ा – शीतल
3) नयन – आँखन
4) ईश्वर- गोविंद
5) परिवार - कुटुंब
6) पीड़ा – पीर

VII **वाक्यांश लिखिए**

1) जो ईश्वर को मानता है – आस्तिक
2) जो ईश्वर को न माने – नास्तिक
3) परोपकार करने वाला – परोपकारी
4) संतोष रखने वाला – संतोषी

VIII **सर्वनाम शब्द लिखिए**

मैं , कोय , आपना , मुझसे , कोय

IX **उचित स्थान पर मात्रा लगाइए**

साँच ,गोविंद, कुटुंब, पाँव , सींचे , आँखन

X **प्रयुक्त निपात रेखांकित कीजिए**

भी , ही , तो , मात्र , केवल

NOTE :

Add **लिखित प्रश्नोतर** (**FOR LESSON AND POEM**) , **भाव स्पष्ट कीजिए (कबीर के दोहे)**

for II – Language.

गिनती : 51 to 75

इक्यावन - 51	इकसठ - 61	इकहत्तर - 71
बावन - 52	बासठ - 62	बहत्तर - 72
तिरपन - 53	तिरसठ - 63	तिहत्तर - 73
चौवन - 54	चौंसठ - 64	चौहत्तर - 74
पचपन - 55	पैंसठ - 65	पचहत्तर - 75
छप्पन - 56	छियासठ - 66	
सत्तावन - 57	सड़सठ - 67	
अट्ठावन - 58	अड़सठ - 68	
उनसठ - 59	उनहत्तर - 69	
साठ - 60	सत्तर - 70	